Test-01

Mentorship Program

दृष्टि The Vision

drishti

Drishti Mentorship Program Mains-2023

निबंध (ESSAY)

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Payal Gwalwanshi

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): Hindi

Email:

Center & Date: Mukharjee Nagar 24-06-2023

UPSC Roll No.: 0845817

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड-A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सूचना लोकतंत्र की मुद्रा है।

"राजा बोला रात है!
मंत्री बोला रात है!
संतरी बोला रात है!
सुबह-सुबह की बात है।"

प्रस्तुत व्यंग्यात्मक काव्य से यह संदर्भ प्रस्तुत होता है कि किस प्रकार शासन के ऊपरी स्तर से गलत सूचना का प्रवाह, सम्पूर्ण शासन में गलत रूप में विस्तृत होता है। और आम जनता को शासन में अभिव्यक्ति और सूचना का अधिकार प्राप्त न होने पर तानाशाही शासन की स्थापना होती है और लोकतंत्र का विचार लुप्त हो जाता है।

लोकतंत्र की स्थापना के चार आधार स्तंभ होते हैं- ~~विधायिका~~,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कार्यकारिका, न्यायपालिका और मीडिया (प्रेस / सूचना तक पहुँच)।
अतः यदि इन चारों स्तंभों में किसी एक भी घटक की अनुपस्थिति में लोकतंत्र की स्थापना का उद्देश्य पूर्ण नहीं हो सकता है।

साथ ही, चारों स्तंभों में से किसी एक के भी पक्षपातपूर्ण होने, या अपने कार्य के प्रति अजवाबदेही होने पर भी लोकतंत्र की प्राप्ति नहीं हो सकती है।

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन द्वारा, लोकतंत्र की परिभाषा दी गई है-

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

"जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिये शासन ही, लोकतंत्र है।"

इस प्रकार लोकतंत्र की स्थापना हेतु जनता की सहभागिता होना अतिआवश्यक है। और इस उद्देश्य हेतु सूचना की सही पहुँच अर्थात् लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का मज्बूत होना महत्वपूर्ण है।

भारतीय संविधान में भाग-3 में वर्णित मौलिक अधिकारों में भी अनुच्छेद- 19 (1) (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) और अनुच्छेद 21 (जीने का अधिकार) में सूचना के अधिकार को शामिल किया गया है। जिसमें से दोनों ही अधिकार त्रिरत्नों में शामिल हैं।

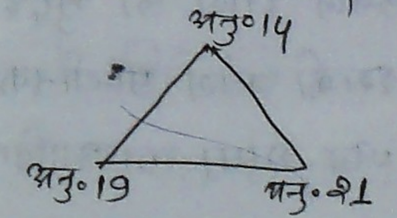

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसके साथ ही, सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 लागू किया गया जो सूचना के अधिकार को वैधानिक आधार प्रदान करता है।

इसके अलावा, भारतीय संविधान में केन्द्रीय सूचना आयोग (CIC) को एक सांविधिक निकाय के रूप में भी स्थापित किया गया है। इस प्रकार स्पष्ट है कि लोकतंत्र की स्थापना हेतु सूचना तक पहुँच के अधिकार को संवैधानिकता प्राप्त है।

'सूचना तक पहुँच' का महत्व केवल आज का मुद्दा नहीं है अपितु इसकी मांग प्राचीनकाल से ही है। अपितु जब भाषा का आविष्कार नहीं हुआ था तब

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भी लोग संकेतों, स्थानीय संचार माध्यमों से सूचना का आदान-प्रदान करते थे।

प्राचीन काल में मौर्यकाल जैसे साम्राज्य में भी शासन संबंधी जानकारी तक जनता की पहुँच हेतु अभिलेखों, दूतों और अधिकारी विभागों की स्थापना की गई थी, जो पारदर्शिता, जवाबदेहिता जैसे मूल्यों की प्राप्ति कर लोकतंत्र की स्थापना का साधन थे।

मध्यकाल में सल्तनत काल और मुगल शासन के अंतर्गत भी सूचना विभागों की स्थापना कर लोकतंत्र की स्थापना का प्रयास किया गया था।

आधुनिक काल में, ब्रिटिश शासन द्वारा संचार माध्यमों की स्थापना की गई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रवाद के विकास और आंदोलनों में जनता की भागीदारी बढ़ाने में भी सूचना माध्यमों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। साथ ही, गलत सूचना का प्रसारण किस प्रकार भविष्य की रणनीति बनाने में खतरा बन सकती है या सूचना की सही समय में प्राप्ति न होना कैसे नुकसानदायक होता है। इसका उदाहरण भी है।

1857 की क्रान्ति के प्रारम्भ में भारतीयों की संचार माध्यमों तक अल्प पहुँच के कारण 31 मई को निर्धारित दिन के पहले ही 10 मई को आन्दोलन प्रारम्भ कर दिया गया। जिससे आन्दोलन का संचालन सही दिशा में नहीं हो पाने से हार का सामना करना पड़ा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वहीं वर्तमान में 'सबका साथ सबका विकास' लक्ष्य की प्राप्ति हेतु भी सूचना तक आम जनता की पहुँच प्रारम्भिक मांग है।

इसी उद्देश्य की प्राप्ति हेतु सभी राजनीतिक दलों द्वारा अपने चुनावी घोषणा पत्रों का प्रकाशन, सरकारी कार्यालयों द्वारा सिटिजन चार्टर का प्रकाशन और प्रत्येक कार्यालय में सूचना अधिकारी नियुक्ति आदि जैसे कदम, लोकतंत्र की स्थापना में सराहनीय कदम है।

हाल ही में न्यायपालिका द्वारा भी कुछ राज्यों में मुकदमों की सुनवाई का खुला प्रकाशन, जनता की सूचना तक पहुँच, शासन में जनभागीदारी की मांग को पूरा करते है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आर्थिक दृष्टिकोण से भी, जिस प्रकार अर्थव्यवस्था को चलाने हेतु मौद्रिक रूप में मुद्रा की आवश्यकता होती है। इसी प्रकार, आर्थिक सूचना तक जनता की पहुँच भी लोकतंत्र की स्थापना करना है।

उदाहरण के रूप में, वस्तु एवं सेवा कर द्वारा प्रतिमाह GST संग्रहण की सूचना का प्रकाशन, प्रत्येक तिमाही में मुद्रास्फीति की दर का प्रकाशन, शेयर मार्केट की चौबीस घण्टों की स्थिति की सूचना आदि भी जनता की अर्थव्यवस्था में भागीदारी सुनिश्चित कर, आर्थिक लोकतंत्र को बढ़ावा देते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वहीं दूसरी ओर, सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना में भी सूचना तक पहुँच का अहम योगदान है जैसे- सरकारी लोक कल्याणकारी योजनाओं की सूचना, स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी आँकड़ो का प्रकाशन, विभिन्न सूचकांको जैसे- वैश्विक जेण्डर गैप रिपोर्ट, भूखमरी सूचकांक, गरीबी सूचकांक, भ्रष्टाचार सूचकांक आदि का प्रकाशन जनता को सामाजिक विकास के प्रति सचेत करता है।

सांस्कृतिक समन्वयता और सहिष्णुता की स्थापना हेतु भी विभिन्न संस्कृतियों के बीच सूचना का आदान प्रदान, परसंस्कृतिकरण (Acculturation) में सहायक है और विविधता में एकता के उद्देश्य की पूर्ति करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सुशासन की स्थापना हेतु सिविल सेवकों को प्रशासन संबंधी सूचनाओं के सही संचालन का प्रहरी माना जाता है।

इस प्रकार, सिविल सेवक ही, विधायिका और कार्यपालिका संबंधी सूचनाओं को आम जनता तक पहुँचाने में कड़ी/माध्यम का कार्य करते हैं।

जिस प्रकार, सही सूचना तक पहुँच लोकतंत्र, सुशासन, जनभागीदारी सुनिश्चित करता है। वही इसकी ओर, सूचना की का सही समय में; सही रूप में जनता तक नहीं पहुँचना चुनौतियों और समस्याओं को उत्पन्न करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उदाहरण के रूप में- कई सरकारी योजनाओं के सुदूर क्षेत्रों के लोगों तक पहुँच में कमी से, योजनाओं का सफल कार्यान्वयन में बाधा आती है। प्रशासन द्वारा लालफीताशाही, लेटलतीफी और उदासीनतापूर्ण व्यवहार के कारण भी लोकतंत्र की स्थापना में बाधा उत्पन्न होती है।

साथ ही, सूचना के अधिकार अधिनियम २००५ के तहत, कुछ शासकीय कार्यालयों जैसे सेना विभाग, राजनीतिक दलों, BCCI, को सूचना के अधिकार के क्षेत्र से छूट देना भी, गोपनीयता को बढ़ावा देता है, जो जनता के अधिकारों का उल्लंघन है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान समय में, सूचना के अधिकार का दायरा बढ़ता जा रहा है। जिसमें सूचना प्राप्त करने के अधिकार के साथ ही सूचना हटाने का अधिकार और भूलने का अधिकार (Right to be forgotten) की भी मांग की जा रही है।

अर्थात् जिस तरह सार्वजनिक सूचनाओं तक पहुँच लोकतंत्र की स्थापना के लिये महत्वपूर्ण, उसी प्रकार संवेदनशील और निजी सूचनाओं को उद्देश्य की पूर्ति के बाद सार्वजनिक मंचों से हटाने का अधिकार है जो व्यक्ति के अधिकारों और अस्मिता की रक्षा करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

साथ ही, सूचना तक सभी की पहुँच को सुनिश्चित करने हेतु इण्टरनेट का अधिकार, डिजिटल इण्डिया, SG., आदि प्रयास किये जा रहे है जो सुदूर क्षेत्रों तक इण्टरनेट की पहुँच सुनिश्चित कर डिजिटल डिवाइड को खत्म करने और लोकतंत्र की स्थापना में महत्वपूर्ण है।

इस प्रकार, सूचना, लोकतंत्र की मुद्रा है। जो लोकतंत्र की स्थापना, संचालन आदि में महत्वपूर्ण घटक की भूमिका निभाती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किसी राष्ट्र के भूगोल को जानना उसकी विदेश नीति को जानना है।

" किसी देश की भौगोलिक सीमाएँ ही, उस देश की विदेश नीति की सीमाओं को निर्धारित करती है। "

उपरोक्त कथन से, स्पष्ट होता है कि किसी भी देश की विदेश नीति के आकार के निर्धारण में उस देश के भौगोलिक आकार का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है।

भारत एक भौगोलिक विविधताओं वाला देश है। जो 7515 km की समुद्री सीमा अर्थात तीन ओर से समुद्र से घिरा है साथ ही 7 पड़ोसी देशों - चीन,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार से सीमा साझा करता है।

साथ ही, भारत का उत्तरी भाग उपोष्णकटिबंध और दक्षिणी भाग उष्ण कटिबंध में आता है।

भारत के उत्तर में वर्षभर बर्फ से आच्छादित हिमालय पर्वतश्रृंखला तो, प्रायद्वीपीय भारत के पूर्वी ओर बंगाल की खाड़ी और पश्चिमी ओर अरब सागर और दक्षिण में हिन्द महासागर है।

इन्हीं के साथ, भारत एक बड़ी जैवविविधता वाला देश भी है। जहाँ चार जैवविविधता तप्त स्थल है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपरोक्त भौगोलिक विवरण भारत की अपने पड़ोसी देशों और विश्व के अन्य देशों के प्रति अपनी विदेश नीति के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

किसी भी देश की विदेश नीति के निर्माण में प्राथमिक उद्देश्य राष्ट्रहित ही होता है। राजनीतिक हितों, आर्थिक हितों, सामाजिक-सांस्कृतिक हितों की पूर्ति के उद्देश्य हेतु ही कोई भी देश किसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करता है।

वर्तमान में भारत द्वारा अपनी विदेश नीति में जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, नवीकरणीय ऊर्जा के तहत सौर ऊर्जा, आपदा प्रबंधन आदि को अधिक महत्व दिया जा रहा है। इसके पीछे का कारण भी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत की भौगोलिक दशाएँ और आवश्यकता है। इसीलिये यह कथन बिल्कुल सही है कि,

"किसी राष्ट्र के भूगोल को जानना, उसकी विदेश नीति को जानना है।"

उदाहरण के रूप में, भारत एक उष्णकटिबंधीय क्षेत्र वाला देश है जहाँ साल भर सूर्य का प्रकाश उपलब्ध रहता है और साथ ही भारत के पास बिजली उत्पादन हेतु कोयले की कमी है। अतः साथ ही, तीन ओर से समुद्र से घिरे होने के कारण समुद्री स्तर बढ़ने पर समुद्री तटों का जलमग्न होना। भूमण्डलीय तापन के कारण हिमालय की बर्फ के पिघलने से बाढ़ आदि की समस्या आदि समस्याओं को मद्देनजर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रखते हुए।

भारत द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ में नवीकरणीय ऊर्जा के तहत सौर ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु अंतर्राष्ट्रीय सौर ऊर्जा अलायंस '(ISA) की स्थापना की पहल की गई।

और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के प्रति संवेदनशीलता के कारण COP-26 और COP-27 में लगातार Loss & damage. बिल की मांग, कार्बन बाजार तंत्र की स्थापना की मांग, नवीकरणीय ऊर्जा का बढ़ावा आदि मुद्दों को अपनी विदेशी नीति में शामिल कर, जलवायु परिवर्तन के प्रति आवाज का नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित किया गया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वही दूसरी ओर, 2004 की सुनामी से प्रभावित होने पर वृहद क्षति और अधिक भूकम्प प्रवण क्षेत्रों की उपस्थिति आदि को आपदाओं के प्रति संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए। यूनाइटेड किंगडम के साथ मिलकर CDRI (काम्प्रेहेंसिव डिसास्टर रेजिलिएन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर) की स्थापना की गई है और आपदा प्रबंधन के प्रति सामूहिक कार्यवाही हेतु सम्पूर्ण विश्व को एक मंच में लाने का प्रयास किया गया है।

भारत द्वारा तीन ओर से बड़ी समुद्री सीमा का होना भी आंतरिक असुरक्षा, अवैध प्रवेश आदि को बढ़ावा देती है। उदाहरण के रूप में 26/11 का हमला। अतः इन्हीं कारणों से भारत द्वारा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सागर परियोजना की शुरुआत की गई जो हिन्द महासागर से लगे देशों को समुद्री सुरक्षा और समाधानों के सामूहिक और समान उपयोग हेतु साथ लाती है।

साथ ही, उत्तर की ओर प्राकृतिक भौगोलिक सीमाओं जैसे हिमालय पर्वत, सिन्धु और ब्रह्मपुत्र नदियाँ आदि के कारण भी सीमाओं का स्पष्ट मानचित्रण न होने के कारण पाकिस्तान द्वारा कश्मीर की मांग और चीन द्वारा अक्साई चीन की मांग हेतु हिंसा और सीमापार आतंकवाद को बढ़ावा दिया जाना है।

इन्हीं चुनौतियों के समाधान हेतु भारत द्वारा वैश्विक मंचों पर सीमापार आतंकवाद के प्रति आवाज उठाई जाती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

साथ ही दक्षिण एशिया में चीन को प्रतिसंतुलित करने हेतु विश्व के बड़े देशों जैसे - अमेरिका, आस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया के साथ मिलकर क्वाड समूह का गठन। पश्चिमी नट में, मालाबार एक्सरसाइज आदि महत्वपूर्ण रणनीति है।

भारत में प्राकृतिक संसाधनों में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की अल्प-उपलब्धता के कारण, भारत बड़े पैमाने में कच्चे तेल के आयात हेतु खाड़ी देशों पर निर्भर है। अतः इसी निर्भरता के कारण भारत इन देशों (सऊदी अरब, UAE, इराक) के साथ अपने मधुर संबंध बनाने का प्रयास करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वही, अफगानिस्तान में अपार प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता के कारण भारत अफगानिस्तान में भारी निवेश के माध्यम से अपना हित साधने का प्रयास कर रहा है। इसी कारण, ईरान में चाबहार बंदरगाह का निर्माण किया गया है।

साथ ही, मध्य एशिया के माध्यम से यूरोप तक पहुँच प्राप्त करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण व्यापारिक गलियारे (INSTC) के निर्माण में सहयोग किया जा रहा है।

भारत की भौगोलिक संरचना के अंतर्गत, पूर्वोत्तर भारत तक पहुँच हेतु बहुत ही संकीर्ण (सिलीगुड़ी गलियारे) रास्ते के कारण संबंध स्थापित करने में समस्या आती है। अतः भारतगण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बांग्लादेश के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित कर, ट्रांजिट कारिडोर आदि का निर्माण कर उत्तर पूर्वी राज्यों तक पहुंच हेतु वैकल्पिक मार्गों का निर्माण किया जा रहा है।

साथ ही, कलादान मल्टीमोड प्रोजेक्ट के माध्यम पूर्वोत्तर आसियान देशों के माध्यम से पूर्वोत्तर राज्यों तक पहुंच हेतु मार्ग का निर्माण किया गया है।

बंगाल की खाड़ी में अपने नेतृत्व को बनाये रखने और चीन को प्रतिसंतुलित करने हेतु BIMSTE, SAARC जैसे (BBIN) मंचों पर सक्रिय भूमिका का निर्वाह किया जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत के पर्यावरणीय भूगोल के अध्ययन से ज्ञात होता है कि भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र के 25% भाग में वनावरण है साथ ही वृहद जन्तु विविधता भी। इन्हीं सभी के संरक्षण के प्रयास हेतु जैव विविधता सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में भाग लिया जाता है और पर्यावरण संरक्षण को विदेश नीति में शामिल किया गया है।

भारत के मानवीय भूगोल के अध्ययन से ज्ञात होता है कि भारत विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश है। जहाँ गरीबी, खाद्य असुरक्षा, बेरोजगारी जैसी गंभीर समस्याएँ हैं। अतः भारत द्वारा WTO, विश्व बैंक, संयुक्त राष्ट्र संघ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

में विकासशील और अल्पविकसित देशों के कल्याण हेतु पहलों का पुरजोर समर्थन किया जाता है।

भौगोलिक विविधता वाले देशों में शामिल होने के कारण भारत द्वारा सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सक्रिय कदम उठाये जा रहे हैं। और साथ ही विदेश नीति में भी सतत् विकास को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। सतत् विकास प्रगति सूचकांक में भी भारत को अच्छा स्थान प्राप्त हुआ है।

साथ ही भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता भारत के सांस्कृतिक भूगोल की महत्वपूर्ण विशेषता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

है, जो भारत को विभिन्न धर्मों वाले देशों के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित करने में सहायता करते हैं।

भारत द्वारा पाकिस्तान और चीन के साथ शान्तिपूर्ण संबंध स्थापित करने में धार्मिक विशेषता सॉफ्ट विदेश नीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस प्रकार यह कथन सत्य है कि किसी भी देश का भूगोल, उसकी विदेश नीति को जानने का महत्वपूर्ण आधार है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation